सांध्य दैनिक 4PM

कोई लोहे को नष्ट नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी जंग कर सकती है! उसी तरह कोई किसी इंसान को बर्बाद नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी मानसिकता कर सकती है।
–रतन टाटा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 295 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 6 दिसम्बर, 2023

भारत के युवा हॉकी खिलाड़ियों का जीत... 7 | यूपी में तेजी पकड़ेगी लोस-24... 3 | कर्ज चुकाने को गरीबों को बेचने... 2

संसद में नहीं थमा हंगामा, सत्ता पक्ष व विपक्ष में तीखी झड़प

» शीतकालीन सत्र का तीसरा दिन, द्रमुक सांसद के बयान पर बीजेपी आक्रामक

» कांग्रेस ने भी बयान को गलत बताया, सेंथिल से प्रश्नकाल में माफी मांगने को कहा

» डीएमके सांसद ने विवादास्पद टिप्पणियों पर लोकसभा में खेद जताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन भी संसद में जोरदार हंगामा जारी रहा। जहां विपक्ष ने ईवीएम समेत कई मुद्दों पर मोदी व बीजेपी सरकार को घेरा वहीं सत्तारुढ़ दल ने द्रमुक सांसद के गौमूत्र वाले राज्य के बयान पर कांग्रेस समेत पूरे इंडिया गठबंधन पर हमला बोला। उधर प्रश्नकाल के दौरान जब द्रमुक नेता टी आर बालू पीडीएस पर पूरक प्रश्न उठाने के लिए खड़े हुए तो संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने उनसे सेंथिलकुमार द्वारा मंगलवार को की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगने को कहा। हंगामें के बाद डीएमके सांसद सेंथिलकुमार ने विवादास्पद टिप्पणियों पर लोकसभा में खेद व्यक्त किया।

लोकसभा में बुधवार को द्रमुक नेता डीएनवी सेंथिल कुमार की विवादास्पद टिप्पणी पर सदस्यों के बीच हंगामा हुआ, जिसके कारण कार्यवाही अचानक स्थगित करनी पड़ी। सेंथिलकुमार ने कहा कि कल अनजाने में मेरे द्वारा दिए गए बयान से यदि सदस्यों और लोगों के एक वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो मैं इसे वापस लेना चाहूंगा। मैं शब्दों को हटाने का अनुरोध करता हूं...मुझे इसका अफसोस है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि उन्होंने सदन में की गई टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगी।

संसद भवन में संविधान निर्माता को श्रद्धांजलि

पीएम मोदी बबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करने संसद भवन पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला समेत कई अन्य नेता मौजूद रहे। कांगेस नेता सोनिया, खरगे व राहुल गांधी समेत उपराष्ट्रपति धनखड़ ने भी डा. अंबेडकर के महापरनिर्वाण दिवस पर उनको संसद भवन मे श्रद्धांजलि अर्पित की।

अब भी खत्म नहीं हुआ कांग्रेस का अहंकार : ठाकुर

नई दिल्ली। लोकसभा में द्रविड मुनेत्र कषगम के सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार के गोमूत्र राज्य वाले बयान पर राजनीतिक बयानबाजी लगातार जारी है। अब इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव में मिली हार ने भी इनके अहंकार को खत्म नहीं किया है, अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि चुनाव में हार के बाद वो गाली-गलोच पर उतर आए हैं, वो (विपक्ष) लगातार ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं. लेकिन इस बार तो उन्होंने हद ही कर दी है। ये लोग हमारे देश की संस्कृति और पहचान को खत्म करने के लिए एक साजिश रच रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी की राष्ट्रव्यापी भारत जोड़ो यात्रा और तेलंगाना के मुयमंत्री के लिए पार्टी की पसंद - रेवंत रेड्डी पर भी सवाल उठाए. अनुराग ठाकुर ने कहा कि तेलंगाना के मनोनीत मुयमंत्री ने कहा था कि तेलंगाना का डीएनए बिहार के डीएनए से बेहतर है. या उन्हें राहुल गांधी या सोनिया गांधी की मंजूरी है?

संसद पर हमले की धमकी के बाद दिल्ली पुलिस सतर्क

अमेरिका स्थित खालिस्तानी समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू द्वारा संसद हमले की बरसी के मौके पर 13 दिसंबर को संसद की नींव को हिला देने की धमकी वाला एक वीडियो संदेश जारी करने के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट पर है। 13 दिसंबर 2001 को शीतकालीन सत्रके दौरान संसद पर आतंकवादी हमला हुआ था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि संसद और उसके आसपास के इलाकों की सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा, किसी को भी कानून व्यवस्था बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। अधिकारी ने कहा, जब संसद चल रही होती है तो हम सतर्क रहते हैं।

10 बीजेपी सांसदों ने दिया इस्तीफा, बने रहेंगे विधायक

देश के पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद बीजेपी के 10 सांसदों ने अपना इस्तीफा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दिया। इस्तीफा देने वाले सांसदों में छीसगढ़ के गोमती साई, मध्य प्रदेश के नरेंद्र सिंह तोमर, राकेश सिंह, प्रह्लाद पटेल, रीति पाठक और उदय प्रताप सिंह शामिल हैं। वहीं राजस्थान के सांसद दीया कुमारी, राज्यवर्धन राठौड़, और किरोड़ी लाल मीणा ने भी इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने वाले 10 सांसदों में 5 मध्य प्रदेश, 3 राजस्थान और 2 छीसगढ़ से हैं. बता दें कि बीजेपी ने 21 सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा था, जिनमें से 12 ने जीत हासिल की और 9 सांसद हार गए. चुनाव जीतने वाले 10 विधायक आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास अपना इस्तीफा सौंपने पहुंचे, हालांकि वह विधायक बने रहेंगे। वहीं चुनाव जीतने वाले दो अन्य सांसद बाबा बालकनाथ और रेणुका सिंह आज इस्तीफा सौंपने नहीं पहुंचे।

तेलंगाना व मिजोरम में सीएम तय

भाजपा शासित राज्यों में अब भी असमंजस

» तेलंगाना में 7 और मिजोरम में 8 दिसंबर को शपथ समारोह

» मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सीएम के नाम पर उठापटक जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने 17 अक्टूबर 2023 को पांच राज्यों (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम) में चुनावों की तारीख का ऐलान किया था। इसमें तेंलगाना में सबसे अंत में यानी 30 नवंबर को वोटिंग थी, लेकिन यही तेलंगाना सरकार बनाने के मामले में नंबर-1 पर पहुंच गया है, यानी पांच राज्यों में सबसे पहले 7 दिसंबर को यहीं नई सरकार शपथ लेगी।

वहीं, मिजोरम में 8 दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन होगा। इन तारीखों की घोषणा के साथ ही बड़ा सवाल ये उठता है कि आखिर जिन राज्यों में पहले चुनाव हुए, सबसे पहले मतगणना हुई, वहां सरकार बनाने में क्या अड़चन आ रही है। भारतीय जनता पार्टी इस सवाल का जवाब देने से बच रही है।

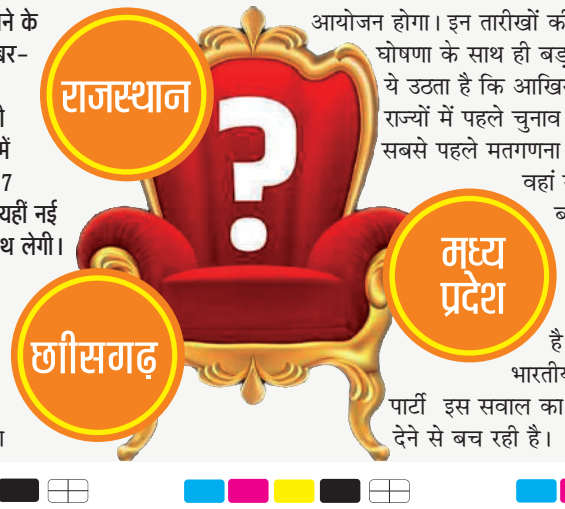

बीजेपी में कई दावेदारों की वजह से फंस रहा पेंच

बीजेपी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छीसगढ़ में बहुमत हासिल किया है और यहीं पर इन्हें सरकार बनानी है, लेकिन चुनाव परिणाम आने के तीन दिन बाद भी पार्टी अभी तक सीएम के नाम को तय नहीं कर पाई है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह ये है कि पार्टी इस बार चुनाव में सीएम फेस के बिना उतरी थी, उसने मध्य प्रदेश में अपने मौजूदा सीएम शिवराज सिंह चौहान और छीसगढ़ व राजस्थान के पूर्व मुयमंत्रियों (रमन सिंह और वसुंधरा राजे) से भी किनारा कर लिया था। यानी पार्टी इनको सीएम बनाना नहीं चाहती है। इसके अलावा पार्टी ने विधानसभा चुनाव में अपने कई सांसदों को भी विधायक चुनाव के लिए उतार दिया था। इनमें से अधिकतर जीत चुके हैं। बीजेपी के सामने तीनों ही राज्यों में ऐसे कई बड़े नाम हैं जिनमें से एक को तय करना इतना आसान नहीं है। इन तीन राज्यों में मुयमंत्री का नाम तय करने में पार्टी को काफी समय लग रहा है।

भावी सीएम रेवंत सोनिया व राहुल गांधी से मिले

काफी जद्दोजहद के बाद आखिरकार कांग्रेस ने तेलगांना के लिए सीएम के नाम का ऐलान कर दिया। तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ही प्रदेश के नए मुयमंत्री होंगे। वह कल (7 दिसंबर) सीएम पद की शप लेंगे। इस राहुल गांधी ने रेवंत रेड्डी को सीएम चुने जाने पर बधाई दी है।

मिजोरम में राज्यपाल से मिले जेडपीएम नेता

आइजोल। मिजोरम में विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के बाद जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सा में आ गई है। चुनावों में जीत हासिल करने के बाद जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा ने राज्य के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात की है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद सरकार बनाने का दावा पेश किया।

जनता परिवर्तन के मूड में : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कहा- चुनाव परिणामों से मजबूत होगा इंडिया गठबंधन

» उत्तर प्रदेश में किसानों की हालत बदतर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने तीन राज्यों में इंडिया गठबंधन को मिले कम सीटों के बाद भी कहा है कि सहयोगियों को घबराने की जरूरत नहीं क्योंकि विधान सीाा चुनावों ने ये संकेत दिया है कि जनता इस बार परिवर्तन के मूड में तभी तो उसने राजस्थान, छत्तीसगढ़ व तेलंगाना में सत्ता पर काबिज पार्टी की सरकार को हटा दिया है। सपा मुखिया ने कहा कि इसका अर्थ ये है कि दिल्ली में भी जनता परिवर्तन करने का मन बना रही है। उन्होंने कहा कि अब केवल इंडिया गठबंधन को रणनीति बदल कर चुनाव में जाने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि हाल के चुनावों के जो परिणाम आए हैं, उससे इंडिया गठबंधन और मजबूत होगा। ये परिणाम भाजपा के चिंता का विषय होना चाहिए। जनता का मूड परिवर्तन का है। कल जब केन्द्र सरकार के लिए चुनाव होगा तो जनता परिवर्तन क्यों नहीं चाहेगी? अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने लघु एवं मध्यम उद्योगों के हित में कुछ नहीं किया है। उद्योगपतियों का 15 लाख करोड़ का बैंक कर्ज माफ कर दिया लेकिन किसानों का कर्ज नहीं माफ किया। सपा की सरकार बनेगी तो किसानों का सारा बैंक कर्ज माफ किया जाएगा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा को बताना चाहिए कि उत्तर प्रदेश में क्या किसानों के धान की कीमत दोगुनी हुई? क्या अब कोई बेरोजगार नहीं बचा। सबको रोजगार मिल गया? उन्होंने आरोप लगाया कि विद्वेषपूर्ण नीतियों के कारण अन्याय हो रहा है।

मजबूत प्रत्याशी होने पर ही सहयोगी दलों को सीटें देगी सपा

इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच लोकसभा सीटों के बंटवारे की कवायद शुरू होनी है, पर मौजूदा परिस्थितियों में यह गुत्थी आसानी से सुलझते हुए नहीं दिख रही है। सपा ने फैसला किया है कि घटक दलों के पास मजबूत प्रत्याशी होने पर ही वह कोई भी सीट छोड़ेगी। सीटों के बंटवारे के लिए तृणमूल, सपा और डीएमके सरीखी क्षेत्रीय पार्टियां भी एकसमान फॉर्मूला अपनाने पर सहमत हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 6 दिसंबर को इंडिया के प्रमुख 15 घटक दलों के नेताओं की बैठक बुलाई थी। लेकिन तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, डीएमके नेता एमके स्टालिन, जदयू नेता नीतीश कुमार और झामुमो के नेता हेमंत सोरेन ने बैठक में भाग लेने से मना कर दिया। इसके बाद बुधवार को होने वाली बैठक को टाल दिया गया है। लेकिन लोकसभा व राज्यसभा में विपक्ष के दलीय नेताओं को दिल्ली में खरगे के आवास पर डिनर के लिए आमंत्रित किया गया है।

खटास दूर करने के होंगे प्रयास

इंडिया गठबंधन के सूत्रों के मुताबिक, डिनर के जरिये मप्र चुनाव के चलते पैदा हुई खटास को दूर करने की कोशिशें होंगी। अगली बैठक के लिए संभावित तारीखों पर विचार भी किया जाएगा। पांच राज्यों के चुनाव के दौरान ही राजद और जदयू समेत इंडिया के कई घटक दल न सिर्फ एक बड़ी रैली का आयोजन करना चाहते थे, बल्कि सीटों के बंटवारे के फॉर्मूले पर वार्ता करने की भी उनकी योजना थी। लेकिन कांग्रेस ने पांच राज्यों के चुनाव के नतीजों के बाद इस पर विचार करने की बात कहते हुए मामले को टाल दिया था। इंडिया के सूत्रों का कहना है कि अब क्षेत्रीय शक्तियां भी सीटों के लिहाज से कांग्रेस की बहुत ज्यादा बात मानने के लिए तैयार नहीं हैं। सपा पहले ही कांग्रेस से कह चुकी है कि यूपी में वो जो सीटें चाहती है, उन पर किस नेता को लड़ाएगी, पहले यह बताए। सपा के रणनीतिकारों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में कोई भी प्रत्याशी तभी लड़ाई में आता है, जब उसके पास कम से कम डेढ़ से दो लाख बुनियादी वोटों का इंतजाम हो। तब गठबंधन के कारण जुड़ने वाला वोट उसे जीत की ओर ले जाता है। इसलिए पहले कांग्रेस को यह बताना होगा कि डेढ़ से दो लाख बुनियादी वोट हासिल कर सकने वाले कौन से नेता उसके पास हैं। सीट बंटवारे की बात उसके बाद ही शुरू होगी। सपा सूत्रों का कहना है कि इंडिया की समन्वय बैठक में मांगे जाने के बावजूद कांग्रेस ने उन नेताओं की सूची नहीं सौंपी है, जिन्हें वह यूपी में लोकसभा चुनाव लड़ाना चाहती है।

सपा प्रत्याशियों से ज्यादा तो नोटा को वोट मिले : नंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाल ही में देश के पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में मीडिया में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बयान आया है कि तीन राज्यों में बीजेपी की जीत पर हम निराश नहीं हैं। अखिलेश यादव के इस बयान पर और मध्य प्रदेश में सपा समेत अन्य पार्टियों की करारी हार पर उत्तर प्रदेश सरकार में औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई, निवेश प्रोत्साहन मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। मंत्री नन्द गोपाल नन्दी ने कहा कि अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव के प्रचार में पूरी ताकत लगा दी थी और उन्होंने 6 दिनों तक ताबड़तोड़ प्रचार किया था।

इस दौरान उन्होंने कुल 24 रैलियां भी की थीं। इसके अलावा रोड शो और रथ यात्रा से भी मतदाताओं को रिझाने का प्रयास किया था। अखिलेश यादव के अलावा उनकी पत्नी मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव ने भी कई विधानसभा क्षेत्रों में रैलियां की थीं।

लोकतंत्र की हत्या बंद करे बीजेपी : राघव

» संसद पहुंचकर केंद्र के खिलाफ खोला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा मंगलवार को संसद पहुंचे। जहां उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग पर केंद्र की मोदी सरकार को घेरा। संसद परिसर में महात्मा गांधी के स्टेच्यू के पास आप सांसदों ने प्रदर्शन किया। बीते सोमवार को पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का 115 दिनों बाद निलंबन रद्द हुआ। संसद परिसर में आप सांसद राघव चड्ढा के अलावा अन्य पार्टी के सांसद भी नजर आए।

सभी के हाथों में तख्ती नजर आई। इन तख्तियों पर लिखा जांच एजेंसियों का दुरुपयोग बंद करो, मनीष सिसोदिया को रिहा करो, संजय सिंह को रिहा करो, लोकतंत्र की हत्या बंद करो। आम आदमी पार्टी सिर्फ संसद ही नहीं दिल्ली में

भी शराब घोटाले को लेकर भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सीएम केजरीवाल को जेल से सरकार चलानी चाहिए या नहीं इसको लेकर हस्ताक्षर अभियान जारी है। आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा का 115 दिनों के बाद सोमवार को संसद में एक प्रस्ताव लाकर उनका निलंबन रद्द कर दिया। निलंबन रद्द होने के बाद राघव चड्ढा संसद पहुंचे। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि मैंने आज संसद परिसर में महात्मा गांधी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बापू का जीवन हमें सिखाता है कि चुनौती कितनी भी कठिन क्यों न हो, सत्य की हमेशा जीत होती है। राघव चड्ढा ने आगे कहा कि 11 अगस्त 2023 को मुझे संसद से निलंबित कर दिया गया था। अपना निलंबन रद्द कराने के लिए मुझे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा और कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद मेरा निलंबन समाप्त हुआ है। इसके लिए सांसद राघव चड्ढा ने सुप्रीम कोर्ट और देश की जनता का धन्यवाद किया है।

लोगों का मिल रहा प्यार

इस मौके पर राघव चड्ढा ने कहा कि दोबारा सदन में जाकर देश की आम जनता की आवाज उठाएंगे। बीते 115 दिनों तक संसद के अंदर जाकर देश की आम जनता की आवाज नहीं उठा सका, जनता के हक का सवाल सरकार से नहीं पूछ सका और देश की जनता सरकार से जो जवाब चाहती थी, वो जवाब नहीं ला सका। मुझे खुशी है कि 115 दिन बाद ही सही, मेरा निलंबन आज समाप्त हो गई है। निलंबन के दौरान देश के लोगों का आशीर्वाद और दुआएं मिली। लोगों ने मुझे फोन, ईमेल और संदेश भेजकर मुझे बहुत प्यार, आशीर्वाद दिया, मुझे डटे रहने, लड़ाई लड़ने और इन लोगों से मुकाबला करने की हिम्मत दी।

संक्षिप्त खबरें

फालतू की बात चलाई जा रही है, बीमारी की वजह से नहीं गए : नीतीश कुमार

पटना। तीन राज्यों में कांग्रेस की करारी हार और इंडी गठबंधन की बैठक को लेकर आखिर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपनी पार्टी का पक्ष सामने रखा। उन्होंने कहा कि न्यूज में फालतू की बात चलाई जा रही थी कि हम जानबूझकर मीटिंग में शामिल होने नहीं जा रहे। अरे हमको बुखार था न जी इसलिए बैठक में नहीं जा रहे थे। हमलोग तो चाहते ही हैं बैठक आगे हो और 2024 के चुनाव से पहले कोई ठोस निर्णय हो।

गहलोत ने पायलट के फोन टेप करवाए : लोकेश

जयपुर। ओएसडी लोकेश शर्मा ने कहा कि राजस्थान में उस वक्त सियासी संकट खड़ा हो गया था जब सचिन पायलट 18 विधायकों के साथ मानेसर चले गए थे। यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि सरकार उन लोगों पर नज़र रखने के लिए निगरानी उपाय करती है जिनसे कोई व्यक्ति मिल रहा है। राजस्थान के निवर्तमान सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच आंतरिक कलह किसी से छिपी नहीं है। अशोक गहलोत के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) ने दोनों नेताओं के बीच आंतरिक विवाद से जुड़ा एक और खुलासा किया है। ओएसडी ने खुलासा किया कि राजस्थान के पूर्व सीएम, अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर निगरानी रखी थी, जब उन्होंने अपने वफादार विधायकों के साथ 2020 में विद्रोह किया था। उन्होंने यह भी कहा कि सचिन पायलट का फोन भी टैप किया जा रहा था, जब वह उस साल 18 पार्टी विधायकों के साथ मानेसर में रूके थे।

फिर अपनी सरकार पर बरसे भाजपा सांसद वरुण गांधी

कर्ज चुकाने को गरीबों को बेचने पड़ रहे अंग

» बोले- उद्योगपतियों को मिल रही माफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। भाजपा सांसद वरुण गांधी एकबार फिर अपनी ही सरकार पर बिफरे हैं। वरुण गांधी दो दिवसीय दौरे पर पीलीभीत में हैं। इससे पहले खमरिया पुल पर कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उसके बाद वह ललौरीखेड़ा क्षेत्र के डंडिया भिसौड़ी, भगवंतपुर, नांद पसियापुर, ऐमी, गहलुईया, गोंछ, कनाकोर, उमरसड़, रमपुरा उझैनिया, कल्याणपुर व शिवपुरिया आदि गांवों में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने एक बार फिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किए और सरकार पर निशाना साधा।

सांसद वरुण गांधी ने ऋण व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि तीन दिन पहले दिल्ली के एक अखबार में पढ़ा था कि यूपी के बुलंदशहर के एक किसान ने ढाई लाख रुपये का लोन चुकाने के लिए अपने शरीर के दो अंगों को बेचना पड़ा। वहीं दूसरी एक खबर छपी थी कि देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों के 70 हजार करोड़ रुपये का लोन माफ किया गया है। सांसद बोले जिनके पास अथाह पैसा है, उनका लोन माफ किया जाता है, लेकिन जिसके पास ढाई लाख रुपये नहीं है, उनको लोन चुकाने के लिए अंग बेचने पड़ते हैं। यह कैसा भारत है। क्या गरीब का लोन माफ नहीं होना चाहिए। सांसद ने कहा कि गरीबों को बहुत सारी सुविधाएं दिए जाने की बात कहीं जा रही है, लेकिन यह सिर्फ कहने की ही बात है। हकीकत में गरीबों की कोई भी सुनने वाला नहीं है। सांसद ने कहा कि अगर हम आम इंसान के संघर्ष को लेकर मौन हो जायेंगे, तो हमारा लोकतंत्र मौन की तरफ बढ़ जाएगा। यह सच्चाई है कि हिंदुस्तान में बराबर की व्यवस्था कभी नहीं रही है। यह भी सच्चाई मौजूदा समय में लोगों के सपने तो बड़े हो गए हैं, लेकिन साकार करने के रास्ते बड़े नहीं हैं।

दांवों से कोसों दूर है सच्चाई

लोगों के बीच बढ़ती जा रही खाई

देश में हिंसा बढ़ती जा रही है। लोगों के बीच खाई बढ़ती जा रही है। सांसद ने कहा कि चार दिन पहले जब वह पीलीभीत आए थे तो डीएम से लोन देने वालों की सूची मांगी। सूची देखी तो पता चला कि बहुत कम लोगों को लोन दिया गया। मैंने लोगों से पूछा कि क्या आप लोगों को लोन की जरूरत नहीं है, तो गरीबों ने बताया कि लोन की जरूरत तो है, लेकिन देता कोई नहीं है। पांच छह बार दौड़ाने के बाद रुपयों की डिमांड की जाती है। जनसंवाद कार्यक्रमों में सांसद ने जनसमस्याएं भी सुनी।

यूपी में तेजी पकड़ेगी लोस-24 चुनाव की तैयारी

सपा,बसपा,रालोद व कांग्रेस ने कसी कमर

मायावती, अखिलेश, जयंत व अजय राय कार्यकर्ताओं से करेंगे बैठक

» सभी सियासी दल हुए सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पांच राज्यों में चुनाव परिणाम आने के बाद सरकार गठन व सीएम को लेकर माथापच्ची जारी है। इस चुनाव में जहां हिंदी भाषी क्षेत्रों के राज्य राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा को बहुमत मिला है वहीं दक्षिण के महत्वपूर्ण राज्य तेलंगाना में कांग्रेस ने सत्ता की चाभी हासिल कर ली है। उधर मिजोरम में नए नवेली पार्टी जेपीएम ने बाजी मार ली है। तीन राज्यों में कांग्रेस को करारा झटका लगा है। इस झटके के बाद इंडिया गठबंधन को लेकर भी सिरफुटौव्वल शुरू हो गया है। जिसके चलते 6 दिसंबर को होने वाले इंडिया गठबंधन की बैठक को टाल दिया गया है।

सब घटना क्रम के बीच देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में भी प्रमुख विपक्षी दलों में उठापटक तेज हो गई। यूपी के तीनों प्रमुख दल सपा, बसपा व कांग्रेस ने अपनी-अपनी पार्टियों के नेताओं व कार्यकर्ताओं से संपर्क कर आगामी लोक सभा चुनाव 2024 की तैयारी पर मंथन शुरू कर दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा सुप्रीमो मायावती व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी कार्यालयों में पदाधिकारियों के साथ बैठकें लेना शुरू कर दिया है। लगभग सभी दल बीजेपी को लोकसभा में बहुमत में न आने या उसे रोक जाने की रणनीति पर कैसे काम हो इस पर चिंतन कर रहे है। आगे क्या होगा ये तो अनुमान लगाना कठिन है लेकिन यह तय है अगर बसपा, सपा, कांग्रेस व रालोद एक साथ मिलकर चुनाव लड़े तो कम से कम यूपी में मोदी को झटका दे ही सकते हैं। वहीं रालोद अध्यक्ष जंयत चौधरी भी बैठक कर अपनी आगे की योजना पर विचार करेंगे।

गठबंधन की मजबूती पर ध्यान देंगे अखिलेश

इंडिया गठबंधन की बैठक में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के नहीं शामिल होने की खबर आई तो सियासी अटकलें शुरू हो गई। पर इन सब के बीच नेता प्रतिपक्ष ने कहा है आनेवाले लोक सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ही जीतेगी और सरकार बनाएगी। उधर उनके बैठक में नहीं शामिल होने की पुष्टी सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने की। इसके बाद तमाम अटकलों पर विराम लगाकर रामगोपाल यादव ने वजह भी बताई। लेकिन इन सबके बीच सपा प्रमुख ने इंडिया गठबंधन को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। अखिलेश यादव मंगलवार को वाराणसी में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, मैंने आप सभी से कहा है और फिर कहता हूं कि जो रिजल्ट आए हैं इससे आने वाले वक्त में इंडिया गठबंधन और मजबूत होगा। देश की जनता बीजेपी को हटाना चाहती है। अगर यही मानक हम मान लें कि लोग परिवर्तन चाहते थे, जिन प्रदेशों में सरकार बदली है. हालांकि मध्य प्रदेश की परिस्थिति दूसरी रही। सपा प्रमुख ने कहा, मध्य प्रदेश में दूसरे तरह का गठबंधन होता तो परिणाम दूसरा भी हो सकता था। लेकिन जो परिणाम दूसरे प्रदेशों से आए हैं जहां जनता परिवर्तन चाहती है, ये बीजेपी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए कि जो सरकार में हैं उससे जनता नाराज है, जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया है तो आने वाले समय में भी परिवर्तन का वोट पड़ेगा, ये बीजेपी के लिए चिंता का सवाल है।

मायावती नेताओं के कसेंगी पेंच

पांच राज्यों का विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद बसपा प्रमुख मायावती मिशन 2024 के लिए एक्टिव हो गई हैं। उन्होंने कल लखनऊ में यूपी और उत्तराखंड के बसपा पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है, बैठक में चुनाव की रणनीति बनाने के साथ कई मुद्दों पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि प्रत्याशियों के चयन पर भी मंथन किया जा सकता है, बैठक में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी समेत जिला अध्यक्ष भी शामिल होंगे। बता दें कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में विशेष तौर पर बसपा के पदाधिकारियों ने काफी मेहनत की है। अब बसपा सुप्रीमो मायावती का फोकस लोकसभा चुनाव है। लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर मायावती यूपी-उत्तराखंड के पदाधिकारियों का फीडबैक लेंगी। बैठक का आयोजन मॉल एवेन्यू स्थित कार्यालय में होगा। मायावती यूपी-उत्तराखंड के बसपा जिलाध्यक्षों से भी लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करेंगी। बैठक में लोकसभा उम्मीदवारों के चयन पर भी मंथन होगा। 6 दिसंबर को बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि को धूमधाम से मनेगी। मायावती आदेश देंगी बैठक के बाद पदाधिकारियों को डॉ भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर आयोजित होनेवाले कार्यक्र मों से जुड़े दिशा निर्देश जारी किए जाएंगे। पार्टी दफ्तर पर कल सुबह बजे बैठक होगी।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस बदलेगी अपनी रणनीति

उत्तर प्रदेश में अगस्त महीने में कांग्रेस पार्टी में अजय राय को प्रदेश की कमान मिलने के बाद प्रदेश कार्यसमिति के गठन की चर्चाएं शुरू हो गई थी। पिछले महीने नई प्रदेश कार्यसमिति का गठन हो गया। यूपी कांग्रेस की ये कमेटी पहली बार प्रदेश मुख्यालय पर बैठी। तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद यूपी कांग्रेस ने नई रणनीति के तहत 2024 में उतरने पर मंथन किया। पार्टी अब जन आंदोलन करने का विचार कर रही है। यूपी कांग्रेस मुख्यालय पर कार्यकारिणी के लोग एक दूसरे से वाकिफ हुए। दरअसल, 50 फीसदी से अधिक नए लोग इस बार कार्यकारिणी में शामिल हो रहे हैं, इस बैठक में भविष्य की रणनीति पर चर्चा के साथ क्षेत्रवार पदयात्रा शुरू करने पर भी मंथन हुआ। साथ ही प्रदेश की समस्याएं, जिसमें महंगाई, किसानों के मुद्दे जैसी चीजों पर लेकर अलग-अलग जिलों और प्रदेश मुख्यालय स्तर पर धरना प्रदर्शन करने पर भी मंथन किया गया। यह भी माना जा रही हे कि तीन राज्यों में मिली हार के बाद यूपी कांग्रेस आज निराश कार्यकर्ताओं में जान फूंकने का काम करेगी। कांग्रेस पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाएगी कि उत्तर प्रदेश में काफी संभावनांए हैं और उत्तर प्रदेश के लिए उनको तैयारी में लगना पड़ेगा। इस बैठक में कांग्रेस पार्टी पिछड़ा वर्ग को अपने साथ जोड़ने के लिए जाति जनगणना और आरक्षण का आधार बढ़ाने जैसे मुद्दे पर चर्चा हुई। वहीं अल्पसंख्यक लोगों के बीच में पैठ बनाने के लिए अल्पसंख्यक मोर्चा भी अपनी रणनीति बताएगा, साथ ही दलितों को अपने पाले में लाने के लिए जारी दलित गौरव संवाद यात्रा पर भी चर्चा हुई वहीं आने वाले दिनों में अलग-अलग दलों से लोगों को सदस्यता दिलाने पर भी मंथन हुआ।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

क्षेत्रीय पार्टियों को सम्मान दे कांग्रेस

चुनावी चर्चा के बीच अब बहस इस बात की हो रही हे कि आगामी लोक सभा में देश की राजनीति किस ओर जाएगी। पांच राज्यों के चुनावी परिणाम के बाद भाजपा की बढ़त व कांग्रेस के पिछड़ने के बाद इंडिया गठबंधन में उठापटक जारी है। बुधवार की होने वाली बैठक को टाल दिया गया है। इस बैठक को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुलाया था। पर टीएमसी नेता ममता बनर्जी, सपा मुखिया अखिलेश यादव व बिहार के सीएम व जदयू नेता नीतीश कुमार के किसी करणवश इसमें शामिल न होने से यह बैठक टाली गई। कारण क्या है ये तो ये सियासी दल ही जाने पर एक बात तो है कि कांग्रेस को लगे झटके की वजह से इंडिया गठबंधन के अन्य दलों को भी चोट महसूस हुई है।

जदयू, सपा व टीएमसी को कांग्रेस द्वारा इन चुनावों में सहयोगी दलों को तव्वजों न देना ठीक नहीं लगा। टीएमसी के प्रवक्ता ने कहा है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों का सम्मान करना पड़ेगा। उन्हें आगामी लोक सभा चुनाव से पहले सभी सहयोगी दलों को पुन: विश्वास में लेकर जनता के बीच जाना होगा। सहयोगी दलों ने कहा है कि मोदी व बीजेपी को हराना है तो एकजुटता दिखनी ही नहीं चाहिए बल्कि होती दिखनी चाहिए। दक्षिण से लेकर उत्तर तक राहुल गांधी के भारत जोड़ों यात्रा से उर्जित कांग्रेस ने उसके बाद से मोदी सरकार की नींद उड़ा दी थी। उसी का नतीजा था हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक में कांग्रेस ने भाजपा की सत्ता को उखाड़ फेंका और खुद उस पर काबिज हुई। उसके बाद पूरे भारत में ऐसी बाते होने लगी थी कि राहुल के बढ़ते कद के आगे धीरे-धीरे मोदी बौने साबित हो रहे हैं। उसके बाद राहुल की सासंदी जाने के बाद हुए घटनाक्रम ने देश की राजनीति कांग्रेस को छलांग लगाने का मौका दे दिया था। इसी सबके वजह से सारे अन्य दन कांग्रेस को बड़ा भाई समझकर उसके पीछे चलने लगे थे। पर पांच राज्यों के चुनाव भाजपा की बढ़त के बाद माहौल फिर बदल गया है। घबराने की बात नहीं है जीत-हार चलती रहती है। चूकि भारत में शासन प्रणाली जनता के वोटों के आधार पर बनती है ऐसे में जो भी सियासी दल हारते है उन्हें निराश नहीं होना चाहिए वे अगर सही तरीके से रणनीति बनाए तो लाभ अवश्य मिलेगा। विश्लेषकों का मानना है कि अगर इंडिया गठबंध के सदस्य एकबार फिर गंभीर होकर नई योजना बनाए तो वह 2024 में भारतीय जनता पार्टी व मोदी को तीसरी बार पीएम बनने से रोक सकते हैं।

“ टीएमसी के प्रवक्ता ने कहा है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों का सम्मान करना पड़ेगा। उन्हें आगामी लोक सभा चुनाव से पहले सभी सहयोगी दलों को पुन: विश्वास में लेकर जनता के बीच जाना होगा। सहयोगी दलों ने कहा है कि मोदी व बीजेपी को हराना है तो एकजुटता दिखनी ही नहीं चाहिए बल्कि होती दिखनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

‘कोप भवन’ से बाहर आकर तेलंगाना के लिए तालियाँ बजाए कांग्रेस!

श्रवण गर्ग

मतपत्रों की गिनती से मिले नतीजों पर मत जाइए कि भाजपा ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के साथ-साथ अविश्वसनीय तरीक़े से छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस का सफाया कर दिया है । ये नतीजे ‘असली’ नहीं हैं। ‘असली’ नतीजे यही हैं कि भाजपा पराजित हुई है।। प्राप्त परिणाम बराबरी के मैदान पर ‘ईमानदारी’ से लड़े गए चुनावों के नहीं हैं जैसा कि 2018 में देखा गया था। इन चुनावों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया था और प्राणों की बाजी लगा दी थी। खासकर मध्यप्रदेश और राजस्थान में।

तेलंगाना के परिणाम भाजपा पहले से जानती थी। भाजपा की कोशिश तो बस केसीआर की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष मदद करके वहां किसी भी तरह कांग्रेस को सत्ता में आने से रोकने की थी। उसमें न तो उसे और न ही ओवैसी को सफलता मिली। मतदाताओं के बीच सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कर देने की सारी कोशिशें विफल हो गईं। विश्वप्रसिद्ध मंदिरों के राज्य तेलंगाना में हिंदू आबादी 85 प्रतिशत है। तीन राज्यों में हुई हार के बाद से कांग्रेस में इतना ज्यादा मातम छाया हुआ है कि वह ‘कोप भवन’ से बाहर निकलकर तेलंगाना की ऐतिहासिक जीत पर तालियां ही नहीं बजाना चाहती। कल्पना कीजिये कि अगर तेलंगाना में भी भाजपा की योजना सफल हो जाती तो क्या होता? पूछा जा सकता है कि चुनाव-परिणामों के निष्कर्ष क्या हैं? निष्कर्ष केवल दो हैं, पहला तो यह कि सिर्फ चार राज्यों के चुनाव प्रचार में ही पीएम को अगर अपना सारा कामकाज छोड़कर इतनी ताकत झोंकना पड़ी तो केंद्र की सत्ता में वापसी के लिए चार महीने बाद ही होने वाले लोकसभा चुनावों में मोदी क्या करने वाले हैं? मिजोरम में तो पीएम ने पैर भी नहीं रखा? कारण भाजपा ही बता सकती है! दूसरा निष्कर्ष यह कि अगर विधानसभा चुनाव नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बीच बना दिए गए थे तो ‘फीनिक्स’ की तरह राहुल ने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को तेलंगाना में राख से पुनर्जीवित करके दिखा दिया। सत्ता द्वारा जेल की देहरी तक धकेल दिए जाने के बावजूद राहुल लौटकर लड़ाई के मैदान में पहुंच गए। हिमाचल विजय के बाद पहले कर्नाटक में भाजपा को सत्ता से बाहर किया और फिर उससे लगे तेलंगाना में भी कांग्रेस को शीर्ष पर लाकर दक्षिण भारत के प्रवेश के द्वार को ही भाजपा के लिए बंद कर दिया।

तीन राज्यों में विजय के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधन में दक्षिण भारत पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने के आह्वान में पीएम की चिंता को टटोला जा सकता है। (स्मरण किया जा सकता है कि पीएम और अमित शाह ने कर्नाटक में किस तरह की मेहनत और रोड-शो किए थे।) केरल से लगाकर उड़ीसा तक

छह राज्यों में लोकसभा की डेढ़ सौ सीटें हैं और भाजपा कहीं भी सत्ता में नहीं है। ममता के पश्चिम बंगाल (42 सीटें), नीतीश-तेजस्वी के बिहार (40 सीटें) और सोरेन के झारखंड (14 सीटें)को भी जोड़ लिया जाए तो भाजपा के लिए चुनौती लगभग 250 सीटों की हो जाती है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में भाजपा ने पिछली बार 303 जीतीं थीं। मध्यप्रदेश के सिलसिले में तर्क दिया गया था कि अठारह सालों से लगातार सत्ता में बने रहे के कारण शिवराज सिंह के खिलाफ कायम हुई जबर्दस्त एंटी-इंकम्बेंसी (सत्ता-विरोधी लहर) से जनता का ध्यान हटाने के लिए ही तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित छह सांसदों और एक महासचिव को चुनाव में उतारा गया। यह तर्क इसलिए गले नहीं उतरता कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में तो भाजपा सत्ता में नहीं थीं। जब एमपी की तरह इन राज्यों में पार्टी के खिलाफ एंटी-इंकम्बेंसी का कोई कारण नहीं था तो वहां भी इतने भाजपा सांसदों को विधानसभा चुनाव क्यों लड़वाया गया? जाहिर है पीएम विधानसभा चुनावों के नतीजों को लोकसभा मुकाबलों की रिहर्सल के तौर पर परखना चाह रहे होंगे। लोकसभा चुनाव पीएम को अपना ही चेहरा और तिलिस्म सामने रखकर लड़ना है। इसीलिए हिमाचल और कर्नाटक की तरह इन चारों राज्यों में भी उन्होंने ‘कमल’ के साथ अपने ही चेहरे को दाव पर लगाया। सांसदों को विधानसभा लड़वाकर नब्ज टटोलना चाह थे कि संघ और भाजपा के लिए रीढ़ की हड्डी माने जाने वाले हिन्दी भाषी राज्यों में उनकी 2014 और 2019 वाली चमक कितनी कायम है। (एमपी में सात में से दो सांसद विधानसभा चुनाव हार गए)। गुजरात को भी जोड़ लें तो चारों राज्यों में लोकसभा की 91 सीटें हैं। इनमें भाजपा के पास अभी 87 हैं। तेलंगाना में भाजपा के पास राज्य की 17 में से चार सीटें हैं।

मध्यप्रदेश में भाजपा को फिर से सत्ता में लाने के लिए क्या-क्या किया गया बताना हो तो- पीएम ने कोई सवा दर्जन से अधिक यात्राएं कीं। अमित शाह प्रदेश में ही लगभग बने रहे। करोड़ों लोगों को मुफ्त के अनाज के साथ-साथ ‘लाड़ली बहना’ जैसी बीसियों योजनाओं के लिए खजाने को खाली कर दिया गया। ‘जरूरतमंद’ मतदाताओं के ‘अभावों’ को हर संभव योजना के बल पर वोटों के रूप में प्राप्त करने (खरीद लेने) के टोटके आजमाए गए। संघ की पूरी ताकत के साथ-साथ पड़ौसी प्रदेशों से बुलाकर तैनात की गई कार्यकर्ताओं की फौज चुनाव में झोंक दी गई। नौकरशाही को पार्टी के साथ ‘सहयोग’ नहीं करने के परिणाम के बारे में खुले तौर पर चेतावनी दे दी गई। कांग्रेस को हराने के प्रयासों में यह भी शामिल किया जा सकता है कि बसपा और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा खड़े किए गये 229 उम्मीदवारों के अतिरिक्त सपा ने भी अपने 69 प्रत्याशी मैदान में उतार दिए। इनके अलावा ‘वोट काटने के लिए’ आदिवासी संगठन ‘जयस’ और भीम सेना या आजाद समाज पार्टी के सैंकड़ों उम्मीदवार और बीसियों निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में थे। कमलनाथ को सबक सिखाने के लिए अखिलेश यादवने बीस सीटों पर दो दर्जन रैलियाँ कीं।

जापानी डाइट तकनीक में लंबी उम्र का राज

रेनू सैनी

आजकल देखने में आ रहा है कि युवा भी असामयिक काल का ग्रास बन रहे हैं। कई बार व्यक्तियों को अहसास भी नहीं होता और वे चलते-चलते ही मृत्यु की गोद में सो जाते हैं। आखिर इन दिनों ऐसा क्यों देखने में आ रहा है? इसका प्रमुख कारण है लोगों का खान-पान और उनके अंदर से सकारात्मक भावों का लोप होना। आप सब यह जानते ही होंगे कि जापान एक ऐसा देश है जिसके लोग सर्वाधिक आयु वाले होते हैं। जानते हैं ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जापान के लोगों ने स्वयं को खुश, स्वस्थ एवं दीर्घायु रखने के लिए अनेक अवधारणाएं बनाई हुई हैं। यहां के लोगों की औसत आयु विश्व में चौथे स्थान पर है। यहां पुरुषों की आयु अस्सी वर्ष से ऊपर और महिलाओं की 85 वर्ष से ऊपर मानी जाती है।

जापान में ही एक आइलैंड है ओकीनावा। वहां के लोगों की अधिकतर आयु तो लगभग सौ वर्ष के आसपास होती है और नब्बे साल पार करने के बाद भी ये लोग अपने दैनिक कार्यों को बड़ेआराम से खुद ही करते हैं। कई देशों की कम्पनियों के प्रबंधक एवं लोग ओकीनावा में विशेष रूप से यही देखने के लिए जाते हैं कि आखिर वहां ऐसा क्या है जो लोग नब्बे वर्ष की आयु में भी स्वस्थ एवं खुश दिखाई देते हैं और अपने अंतिम समय तक सक्रिय रहते हैं। ऐसा हारा हाची बू के कारण होता है। यह एक तरह से जापानियों की डाइट तकनीक है। हारा हाची बू एक जापानी डिश भी है। हारा हाची बू की डाइट तकनीक यह है कि जब पेट 80 प्रतिशत तक भर जाए तो फिर खाना नहीं खाना चाहिए। यहां पर जापान के कई क्षेत्रों विशेषकर ओकिनावा में खाना खाने से जुड़ी पुरानी प्रथा है। वह प्रथा यही है कि पेट को 20 प्रतिशत खाली रखने से भोजन जल्दी पचता है, आलस्य दूर रहता है और व्यक्ति के मन में नकारात्मक भावनाएं कम आती हैं। एक जापानी कहावत भी है कि, ‘भरे पेट के आठ हिस्से आदमी का भरण-पोषण करता है, बाकी दो डॉक्टर का भरण-पोषण करते हैं।’

अर्थात? यदि व्यक्ति अस्सी प्रतिशत से अधिक पेट भर लेता है तो फिर उसे लगातार डॉक्टर के पास जाना पड़ता है। यदि व्यक्ति केवल अपनी भूख का अस्सी प्रतिशत पेट भरे तो वह जीवनभर स्वस्थ रह सकता है। वर्ष 2005 में नेशनल ज्योग्राफिक पत्रिका में प्रकाशित एक लेख में जापान के ओकिनावा के निवासियों को विश्व में सर्वाधिक हेल्दी लाइफ जीने के कारण रेखांकित किया गया था। साथ ही यह भी कहा गया था कि यहां के निवासियों में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज और कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों का प्रतिशत भी बहुत कम पाया जाता है। यहां के लोग नब्बे वर्ष की आयु तक पूर्ण स्वस्थ रहते हैं और अपने नियमित कार्यों को स्वयं करते हैं। जापान के प्रसिद्ध शेफ जीरो ओनो इस समय 98 वर्ष के हैं। वे केवल जापान के ही नहीं बल्कि दुनिया के सबसे उम्रदराज शेफ हैं जो सक्रिय हैं। उनके हाथों की बनाई जापानी डिश सुशी बेहद लाजवाब होती है। उनके हाथों की बनाई इस डिश का स्वाद दुनिया की अनेक जानी-मानी हस्तियां कर चुकी हैं जिनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी शामिल हैं। जीरो ओनो इस उम्र में भी इतने सक्रिय इसलिए हैं क्योंकि वे प्रारंभ से ही हारा हाची बू का पालन करते आ रहे हैं।

उनका कहना है कि आप तभी सक्रिय रह सकते हैं जब आप ऊर्जा एवं उत्साह से भरपूर रहते हैं। ऊर्जा एवं उत्साह से भरपूर रहने के लिए कम लेकिन पोषणयुक्त भोजन करना चाहिए। वे बिल्कुल दुबले-पतले हैं। मगर हारा हाची बू के कारण वे सदैव प्रफुल्लित, स्वस्थ और खुश नजर आते हैं। ज्यादा एवं ठूंस-ठूंस कर खाने से व्यक्ति को स्वयं ही असुविधा का अहसास हो जाता है। हम सभी ने कूड़ेदान को देखा है। हमें अपने पेट को कूड़ेदान नहीं बनाना चाहिए। यदि हम अपने पेट में किसी भी तरह की खाद्य सामग्री डालते जाएंगे तो वह एक कूड़ेदान बनकर रह जाएगा जो कुछ समय बाद ही बीमारियों की खान में परिवर्तित हो जाएगा। लोगों के ठूंस-ठूंस कर और फास्ट फूड को अधिक महत्व देने के कारण ही आज मोटापा विश्व में एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। हारा हाची बू मोटापे से निजात पाने के लिए भी एक बढ़िया उपाय हे। हारा हाची बू को आहार में शामिल करने के कुछ छोटे और प्यारे नियम हैं जैसे कि इसे धीरे-धीरे खाएं। भोजन करते समय केवल भोजन पर ध्यान दें।

उस समय मन से तनाव और समस्याओं को निकालकर एक तरफ रख दें। भोजन के समय यदि समस्याओं और तनाव पर ध्यान दिया जाता है तो उसके पोषक तत्व पूर्ण असर नहीं करते। हारा हाची बू में भोजन करते समय मोबाइल और टीवी किसी पर ध्यान नहीं दिया जाता, केवल भोजन पर ही फोकस रहता है। हारा हाची बू के अनुरूप भोजन करने से शरीर को आश्चर्यजनक लाभ पहुंचते हैं। इससे शरीर सुडौल बना रहता है। इसके साथ ही इससे गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं और पाचन तंत्र से संबंधित विकार भी नहीं होते। सबसे महत्वपूर्ण बात कि हारा हाची बू के अनुसार चलने से खतरनाक बीमारियां शरीर में घर नहीं बना पातीं। हारा हाची बू डिश बेशक जापान में मिलती है, लेकिन हारा हाची बू की तकनीक यानी कि जब पेट 80 प्रतिशत भर जाए तो भोजन करना बंद कर दें, प्रत्येक व्यक्ति किसी भी देश में, कभी भी और कहीं भी अपना सकता है और जीवनभर स्वस्थ रहकर लंबा जीवन पा सकता है। तो आप हारा हाची बू को अपने जीवन में कब से शामिल कर रहे हैं।

दस्त और उल्टी होना

अगर आप भी अक्सर तनाव का शिकार रहते हैं तो ये पाचन विकारों जैसे दस्त और अपच के साथ कब्जियत का कारण बन सकती है। स्ट्रेस वाले हार्मोन बड़ी आंत में मोटर फंक्शन को तेज कर देते हैं जिससे इस तरह की दिक्कतों का जोखिम रहता है। इसके अलावा आपको मितली की भी दिक्कत बनी रहती है। आमतौर पर ये दिक्कतें पाचन के अन्य रोगों के कारण होती हैं, इसलिए आप इससे कंफ्यूज हो सकते हैं। दस्त को रोकने के लिए जामुन और आम की गुठली का चूर्ण को आधा छोटा चम्मच भूनी हुई हरड़ के साथ देने से दस्त में शीघ्र लाभ मिलता है। 1 गिलास पानी में 1 छोटा चम्मच चीनी, आधा छोटा चम्मच नमक, और 1 छोटा चम्मच नींबू का रस मिलाकर घोल बना लें। यह पतले दस्त रोकने का कारगर उपाय है। रामबाण रस- 250 मि.ग्रा., पियूषवल्लीरस- 125 मि.ग्रा., संजीवनी वटी- 20 ग्राम और दाडिमाष्टक चूर्ण- 250 मि.ग्रा. को एक साथ अच्छी तरह मिलाएं। इसे आधा-आधा छोटा चम्मच रोज सुबह खाली पेट शहद के साथ दें। अगर रोगी डायबेटिक है तो यह चूर्ण गुनगुने पानी से भी दे सकते हैं।

पेट में ऐंठन और दर्द

पेट में ऐंठन और दर्द की दिक्कत होना भी सामान्य तनाव प्रतिक्रिया है। स्ट्रेस हार्मोन के कारण हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ने लगता है जिसके कारण सूजन, दर्द और कब्ज होता है। स्ट्रेस की समस्या को कंट्रोल करना जरूरी माना जाता है, अगर इसपर ध्यान न दिया जाए तो इसके कारण आपकी शारीरिक स्वास्थ्य जटिलताओं के और भी बढ़ने का खतरा हो सकता है। यदि आप पेट दर्द से पीड़ित हैं, तो आप ताजा अदरक के टुकड़े को चबा सकते हैं या अदरक की चाय पी सकते हैं। पेट दर्द में आराम के लिए पुदीने की चाय की चुस्की लें या पुदीने की पत्ती को चबाएं। अपने पेट पर गर्म सेक या हीटिंग पैड लगाने से मांसपेशियों को आराम मिलता है, जिससे दर्द और परेशानी कम होती है। एक चम्मच सेब के सिरके को पानी में मिलाकर पीने से पेट दर्द कम होता है और पाचन में सुधार होता है। सौंफ पेट दर्द और सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। 1 चम्मच लहसुन का रस 3 चम्मच पानी के साथ दिन में एक बार भोजन से पहले या बाद में एक सप्ताह तक लें। इसे पीने से पेट की परेशानी से तुरंत राहत मिलती है।

ज्यादा स्ट्रेस से हो सकती है पाचन की समस्या

स्ट्रेस यानी तनाव होना मानसिक स्वास्थ्य की समस्या मानी जाती है। काम के दबाव और पारिवारिक-सामाजिक स्थितियों के कारण तनाव होना सामान्य है, पर अगर ये दिक्कत आपको लंबे समय तक बनी रहती है तो सावधान हो जाने की आवश्यकता है। स्ट्रेस की समस्या पर ध्यान न देना दीर्घकालिक तौर पर डिप्रेशन जैसी गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। स्ट्रेस की स्थिति में ब्लड प्रेशर बढ़ने से लेकर, घबराहट, पसीना आने जैसी समस्या होना सामान्य है? यह आश्चर्यजनक हो सकता है पर स्ट्रेस लेने या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण आपको पाचन से संबंधित लक्षण हो सकते हैं। इस तरह के लक्षण अक्सर पेट दर्द, कब्ज से संबंधित होते हैं जिनको लेकर आप कंफ्यूज हो सकते हैं।

मूत्राशय का अतिसक्रिय होना

तनाव हार्मोन के स्राव के कारण आपको बार-बार पेशाब करने की इच्छा हो सकती है या रात में पेशाब के लिए अधिक बार जागना पड़ सकता है। पेशाब के इस तरह की दिक्कतें डायबिटीज की स्थिति में भी होती रहती हैं, ऐसे में इससे कंफ्यूज न हों। स्ट्रेस के कंट्रोल होते ही ये समस्याएं भी ठीक होने लग जाती हैं। यदि आप अतिसक्रिय मूत्राशय के लक्षण दिखा रहे हैं, तो पहले अपने प्राथमिक देखभाल चिकित्सक से बात करें। वह समस्या के कारण और प्रकृति की पुष्टि करने के लिए विस्तृत निदान के लिए आपको मूत्र रोग विशेषज्ञ के पास भेज सकता है।

प्रभावित होता है मानसिक स्वास्थ्य

स्ट्रेस सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं, शरीर में और भी कई प्रकार की दिक्कतों को बढ़ाने वाली हो सकती है। तनाव की स्थिति हमारी आंत में बैक्टीरिया के संतुलन को प्रभावित करने लगती है जिससे पेट खराब हो सकता है। लंबे समय से तनाव और चिंता का अनुभव करने वाले लोगों में पेट की खराबी, दर्द, कब्ज, आंतों से संबधित विकारों के बढ़ने का भी खतरा रहता है। इसके लक्षणों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है।

स्ट्रेस व अनिद्रा से बचाव करने के लिए मेडिटेशन का अभ्यास तनाव के स्तर को कम करने और बॉडी को रिलैक्स करने में मदद कर सकता है, जिससे पेट के हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हल्के योग आसन और गहरी सांस लेने से नर्वस सिस्टम को शांत करने और तनाव की वजह से होनी वाली पाचन समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। नींद के लिए एक पैटर्न तैयार करें। इससे नींद की क्वालिटी बेहतर होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से आपकी पाचन क्रिया बेहतर होती है। साथ ही, उस पर पड़ने वाले प्रभाव कम होते हैं।

हंसना मना है

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और दोस्तों से कहते फिरते हैं आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

बहु के 1-2 अफेयर सुनकर पति ने जान दे दी, 3-4 अफेयर सुनकर ससुर ने जान दे दी, लेकिन सास चुप रही क्यों? क्यूंकि सास भी कभी बहु थी।

आदित्य अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, लड़की का पिता: मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे। आदित्य: बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं। दे जूते। दे चप्पल !

रुपेश : पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं। पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश: हां जी हां। पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछा: क्यों टेंशन में हो? सरदार: यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हूं।

पापा और 15 साल का बेटा एक होटल में गए, पापा -वेटर एक बियर और एक आईसक्रीम लाओ, बेटा-आईसक्रीम क्यों पापा, आप भी बियर लीजिये ना, दे।। चप्पल।। पे।। चप्पल!

कहानी — लहरें गिनना

एक बार बादशाह अकबर से नौकरी मांगने की फरियाद लेकर एक व्यक्ति पहुंचा। उसकी बातें सुनने के बाद बादशाह ने उसे चुंगी यानी टैक्स वसूलने वाला अधिकारी बना दिया। बीरबल भी उस दरबार में मौजूद थे। उन्होंने उसे कुछ देर ध्यान से देखने के बाद कहा कि बादशाह यह व्यक्ति ज्यादा ही चालाक लग रहा है। यह जल्द ही कुछ-न-कुछ बेईमानी जरूर करेगा। एक दिन अकबर के पास एक-दो व्यक्ति उस अधिकारी की शिकायत लेकर आए। शिकायतें मामूली थीं, इसलिए उनपर ज्यादा किसी ने ध्यान नहीं दिया। उसके बाद रिश्वत लेने और जनता को परेशान करने के आरोप भी उस अधिकारी पर लगने लगे। इतनी शिकायतें आने पर बादशाह ने सोचा कि इसका तबादला ऐसी जगह कर देता हूं, जहां इसे बेईमानी करने का मौका ही न मिल पाए। इतना सोचते ही बादशाह ने फैसला किया कि उसे अस्तबल का मुंशी बनाया जाएगा। वहां मुंशी के पद पर पहुंचते ही उस व्यक्ति ने फिर रिश्वत लेना शुरू कर दिया। उसने सीधे घोड़े की देखभाल करने वालों से कह दिया कि तुम लोग घोड़ों को कम दाना-पानी खिलाते हो। इसका पता बादशाह को चला है, इसलिए मुझे लीद को तोलने के लिए भेजा है। अब अगर लीद का वजन कम हुआ, तो सबकी शिकायत बादशाह से कर दूंगा। इस तरह से उस मुंशी से परेशान होकर हर घोड़े के हिसाब से उसे एक रुपये लोगों ने देना शुरू कर दिया। यह बात भी कुछ समय बाद अकबर तक पहुंच गई। उन्होंने मुंशी को सीधे यमुना की लहरें गिनने का कार्य सौंप दिया। कुछ ही दिनों में जैसे ही वो व्यक्ति यमुना किनारे पहुंचा, तो वहां भी उसने अपना दिमाग दौड़ा लिया। वो नाव से सवारी करने वालों को रोक-रोककर कहता कि मैं लहरें गिन रहा हूं। ऐसे में तुम लोग यहां से नहीं निकल सकते हो। इसी जगह पर दो-तीन दिन तक रुकना होगा। रोज-रोज ऐसी बातें सुनकर नाव चलाने वालों ने अपने कार्य को जारी रखने के लिए उसे दस-दस रुपये की रिश्वत देना शुरू कर दिया। अब यमुना किनारे भी वो व्यक्ति खूब बेईमानी कर रहा था। एक-दो महीने में यह बात भी बादशाह तक पहुंच गई। तभी अकबर ने एक लिखा हुआ आदेश भिजवाया, नाव को रोको मत, जाने दो। वो व्यक्ति चतुर था उसने बादशाह के आदेश वाले पत्र को नावों को रोको, मत जाने दो कर दिया था। इस थोड़ी हेरफेर के बाद उसने अकबर का आदेश वहां टंगवा दिया। आखिर में उससे परेशान होकर बादशाह ने उसे नौकरी से ही निकाल दिया। तभी बादशाह को बीरबल की बात याद आ गई कि ये आदमी बेईमानी जरूर करेगा। तब उनके मन में हुआ कि मुझे उसे पहली गलती में ही कठोर दंड देना चाहिए था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — लापरवाही सेहत बिगाड़ सकती है। व्यवसाय हेतु किसी दूसरी जगह जाने के योग दिखाई दे रहा है। पैसों से जुड़े किसी मामले को सुलझाने के लिहाज से आज का दिन अच्छा है।

वृषभ — आज के दिन आपको अपने दिन का ज्यादा समय दूसरों के कार्यों को करवाने में नहीं बिताना है, क्योंकि आज आपके पास भी बहुत सारे काम होंगे।

मिथुन — आज परिवार वालों के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे। इस राशि के जिन जातकों का स्टेशनरी का कारोबार है, उनको आज रोज की अपेक्षा ज्यादा मुनाफा होगा।

कर्क — बिजी होने के बावजूद दिन अच्छे से बीतेगा। पैसों के लिहाज से भी फायदा हो सकता है। खाने पीने से जुड़ा कारोबार करने वालों को स्वच्छता पर बहुत ध्यान देने की जरूरत है।

सिंह — आज विद्यार्थियों को अपने गुरुजनों व अपने सीनियर्स का साथ मिलेगा जिससे वह पढ़ाई में आ रही मुश्किलों का समाधान खोजने में सफल रहेंगे।

कन्या — रास्ते में किसी करीबी दोस्त से आपकी मुलाकात होगी, जिससे मिलकर आपको खुशी होगी। ऑफिस में आपका कॉन्फिडेंस देखकर बॉस आपसे खुश होंगे।

तुला — आज आप अपने परिजन अथवा दोस्तों के साथ किसी खुशी का उत्सव मनाएंगे या फिर कहीं बाहर घूमने जाएंगे। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे।

वृश्चिक — आज आपको अपने व्यवसाय के लिए कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला सीखनी होगी, तभी आप लोगों से अपना काम निकलवाने में कामयाब रहेंगे।

धनु — आज आपका दिन शानदार रहेगा। रुके हुए कामों में आपको किसी मित्र की मदद मिलेगी, जिससे काम पूरा हो जायेगा। साथ ही आज कोई खुशखबरी मिलेगी।

मकर — आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा और आय के नए स्रोतों का विकास होगा। हालांकि अनावश्यक खर्चों से संतुलन बिगड़ सकता है। किसी से किए हुए वादे को जरूर निभाएं।

कुम्भ — आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप अपने व्यवसाय में मिलने वाले लाभ से प्रसन्न रहेंगे और अपने किसी परिजन को यदि आज धन उधार देंगे।

मीन — आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप किसी मामले में बड़ा निर्णय लेंगे, जिसमे आपको सफलता भी मिलेगी। कारोबारियों को कोई बड़ा फायदा होने के योग बन रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

सिर्फ आरके को पता थी एनिमल की पूरी कहानी : सिद्धांत

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों रणबीर कपूर की स्टारर फिल्म एनिमल का धूम-धड़ाका देखने को मिल रहा है। ओपनिंग डे से लगातार धुआंधार कमाई कर रही संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म ने महज तीन दिनों में कई रिकॉर्ड चकनाचूर कर दिए हैं। बॉक्स ऑफिस पर मिल रही अपार सफलता के बीच दर्शक रणबीर कपूर से लेकर बॉबी देओल के अभिनय तक की तारीफ भी कर रहे हैं। जहां एक तरफ वयस्कों के लिए बनी इस फिल्म को समीक्षकों का भी भरपूर प्यार मिला, वहीं सोशल मीडिया का एक वर्ग ऐसा है जिसे एनिमल जरूरत से ज्यादा बोल्ड लगी। हालांकि, तमाम आलोचनाओं के बीच भी फिल्म का शानदार प्रदर्शन जारी है। इन सबके बीच अब एनिमल में रणबीर कपूर के को-स्टार रहे सिद्धार्थ कार्निक ने उनकी तारीफ की है और खुलासा किया कि संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म की पूरी स्क्रिप्ट सिर्फ और सिर्फ अभिनेता को सुनाई थी। संदीप रेड्डी वांगा की दूसरी हिंदी फिल्म एनिमल की बॉक्स-ऑफिस पर जबर्दस्त कमाई जारी है। इस फिल्म ने दुनिया भर में 360 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और बॉबी देओल स्टारर फिल्म की कहानी से लेकर इसके कलाकारों के अभिनय तक की जमकर तारीफ हो रही है। इन सबके बीच अब फिल्म में रणबीर के जीजा की भूमिका निभाने वाले सिद्धांत कार्निक ने एक्टर के प्रोफेशनलिज्म के बारे में खुलासा किया है और बताया है कि वह कैसे पूरी तरह से जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं। सिद्धांत ने एक इंटरव्यू में रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए एनिमल के दिल्ली शूटिंग शेड्यूल को याद किया। एनिमल की सफलता को देखकर फिल्म का हर कलाकार खुशी से झूम उठा है और लगातार इसको लेकर खुलासे कर रहा है। मुख्य कलाकारों के साथ-साथ सपोर्टिंग कलाकारों ने भी फिल्म की कहानी और इसके हर दृश्य में जान फूंकने का काम किया है। इन्हीं कलाकारों में से एक हैं सिद्धांत कार्निक, जिन्होंने एनिमल में रणबीर कपूर के जीजा का किरदार निभाया है। हाल ही में सिद्धांत ने उस समय को याद किया जब वे चिलचिलाती गर्मी में रणबीर के साथ दिल्ली में शूटिंग कर रहे थे।

दयाबेन की जल्द होगी शो में वापसी

कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। असित मोदी का यह शो सबसे लंबे समय तक चलने वाले सीरियल में से एक है। हालांकि, पिछले काफी समय से दयाबेन की शो में गैर मौजूदगी को लेकर दर्शक निराशा जाहिर कर रहे हैं। जबकि निर्माताओं ने वादा किया है कि दयाबेन के किरदार शो में जल्द ही वापस आएगा। दयाबेन के किरदार की वापसी ना होने के चलते सोशल मीडिया पर बॉयकॉट टीएमकेओसी ट्रेंड कर रहा था। सोशल मीडिया पर चल रहे इस विवाद के बीच अब असित मोदी ने चुप्पी तोड़ी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, असित मोदी ने हाल ही में एक बयान जारी किया जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि तारक मेहता का उल्टा चश्मा ऑफ-एयर नहीं हो रहा है। शो के निर्माता ने यह भी बताया कि दयाबेन के किरदार की तलाश चल रही है। असित मोदी ने अपने बयान में कहा कि भले ही थोड़ी देर हो रही है, लेकिन किरदार जल्द ही वापस आ जाएगा

बॉयकॉट तारक मेहता पर असित मोदी ने तोड़ी चुप्पी

असित मोदी ने आगे कहा, मैं यहां अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए हूं और मैं अपने दर्शकों से कभी झूठ नहीं बोलूंगा। केवल कुछ परिस्थितियों के कारण हम दया के किरदार को समय पर वापस नहीं ला पा रहे हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि यह किरदार शो में प्रवेश ही नहीं करेगा। अब ये दिशा वकानी हैं या कोई और, ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन, यह दर्शकों से मेरा वादा है कि दया वापस आएगी, और तारक मेहता का उल्टा चश्मा कहीं नहीं जा रहा है। एक कॉमेडी शो को पंद्रह साल तक चलाना कोई आसान काम नहीं है। इस शो में जहां हर कोई दया भाभी के किरदार को देखना चाहता है, निर्माता भी इस किरदार की वापसी पर काम कर रहे हैं। असित मोदी ने कई बार मीडिया बातचीत में इसका खुलासा भी किया है। असित मोदी ने कहा, दयाबेन के किरदार के लिए ऑडिशन चल रहे हैं। किरदार के लिए चयन करना आसान नहीं है और किसी भी अभिनेत्री के लिए दिशा की भूमिका निभाना एक चुनौती होगी। इस भूमिका के लिए हमारी तलाश जारी है। बता दें कि जो तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में दिशा वकानी ने दया जेठालाल गड़ा की भूमिका निभाई हैं। अभिनेत्री 2017 में अवकाश पर चली गई थीं और तब से वापस नहीं लौटी हैं। असित मोदी ने शो के 15 साल पूरे होने पर कहा था कि वे जल्द ही प्रशंसकों की पसंदीदा दयाबेन को वापस लाएंगे। उन्होंने कहा, 15 वर्षों की इस यात्रा में, उन सभी को हार्दिक बधाई।

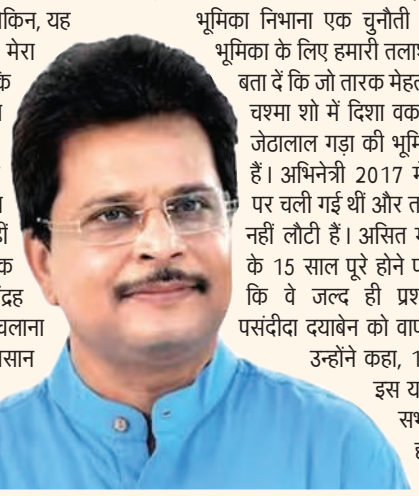

नहीं रहे सीआईडी के फ्रेडी दिनेश फडनीस

टीवी एक्टर दिनेश फडनीस के फैंस के लिए एक बुरी खबर है। एक्टर हमेशा के लिए इस दुनिया का छोड़कर चले गए। 1 दिसंबर को एक्टर की तबीयत खराब हुई और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया था। पिछले चार दिनों वेंटीलेटर पर थे, जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहे थे। जो वह ये लड़ाई हार गए। एक्टर के निधन की खबर उनके को-स्टार और दयानंद शेट्टी ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि उनके दोस्त ने रात 12.08 बजे अंतिम सांस ली। महज 57 साल की उम्र में एक्ट्रेस इस दुनिया को अलविदा कह गए। उनके जाने की खबर से टीवी इंडस्ट्री बता दें, रविवार को की सबुह खबर सामने आई थी कि दिनेश फडनीस को

लिवर की बीमारी से जूझ रहे थे एक्टर

बॉलीवुड | मसाला

हार्ट हटैक आया था, जिसके चलते उन्हें मुंबई के तुंगा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं शाम होते होते उनकी हेल्थ अपडेट भी सामने आया था। दयानंद शेट्टी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उन्हें हार्ट हटैक नहीं आया था, बल्कि उनका लिवर डैमेज हुआ, जिस कारण दिनेश फडनीस ने सीआईडी कई सालों तक काम किया था। उन्होंने साल 1998 से 2018 तक फ्रेडरिक्स की भूमिका निभाई थी। इसके वह तारक मेहता का उल्टा चश्मा में भी कैमियो रोल में नजर आए थे। इसके अलावा वह आमिर खान की फिल्म सरफरोश और ऋतिक रोशन की सुपर 30 में भी नजर आए थे।

अजब-गजब | सौ सालों से बंद था घर का दरवाजा

शख्स को दिखा दूसरी दुनिया का रास्ता!

आज के समय में लोग ज्यादातर प्रॉपर्टी में ही इन्वेस्ट करना पसंद करते हैं। आखिर करें भी क्यों नहीं। अभी यही मार्केट सबसे ज्यादा बूम कर रहा है। जिस प्रॉपर्टी को आप अभी जिस रेट में खरीद रहे हैं, कुछ साल बाद उसके दाम शायद दोगुने हो जाएं। इस वजह से लोग जमीन या घर खरीदने में ही पैसे इन्वेस्ट करते हैं। कई लोगों को पुस्तैनी चीजों में काफी इंट्रेस्ट होता है। ऐसे में वो पुरानी चीजों को खरीदने की कोशिश करते हैं। लेकिन कई बार इसके बाद लोगों की किस्मत ही पलट जाती है। सोशल मीडिया पर एक शख्स ने अपने साथ हुई ऐसी ही एक घटना शेयर की। इस शख्स ने 1900 में बने एक घर को खरीदने में अपनी सारी सेविंग्स लगा दी।

लेकिन चूंकि ये घर काफी पुराना था इस वजह से अंदर लगी लकड़ियां दीमक खा गई थी। जब घर का रिनोवेशन करवाया गया, तो शख्स के होश ही उड़ गए। अंदर एक ऐसा रास्ता था, जो अंडरग्राउंड दुनिया को जाता था। शख्स ने इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की, जहां से ये वायरल हो गई। मामला यूके का है। 2020 में बेन मन और उनकी पत्नी किम्बर्ली ने एक घर खरीदा था। ये घर सौ साल पुराना था। इसके पिछले मालिक को किसी तरह इसे बेचकर पीछा छुड़ाना था। इस वजह से कपल को बेहद सस्ते दाम पर घर मिल गया। लेकिन पुराना होने की वजह से घर में लगी लकड़ियां खराब हो गई थी। जब घर का रिनोवेशन किया जा रहा था, तब इसके कालीन को उठाते ही उनके सामने एक राज आ गया। कालीन के नीचे की टूटी लकड़ी से उन्हें कुछ सीढ़ियां दिखी, जो अंदर की तरह जा रही थी। जब कपल इन सीढ़ियों के जरिये नीचे गया तो उनके होश ही उड़ गए। ये वाइन सेलर था। अंदर नमी के कारण काफी दुर्गन्ध आ रही थी। कपल ने बताया कि अगर सीढ़ियां नहीं होती तो उन्हें कभी इस कमरे के बारे में पता ही नहीं चलता। लेकिन अब उन्होंने इस कमरे का कायाकल्प कर डाला है। अंदर एक सोफा, प्रोजेक्टर और बार आपको मिल जाएगा। अपने घर के अंदर बने इस सीक्रेट कमरे ने कपल को खुशियों से भर दिया। वो इस कमरे का जमकर फायदा उठा रहे हैं।

अपने गांव का नाम लेने में शर्माते हैं ग्रामीण, उड़ने लगता है मजाक

इंसान जिस धरती पर जन्म लेता है, उस पर उसे हमेशा ही गर्व महसूस होता है। जिस जगह उसका जन्मस्थान है, उसका नाम कभी भी लेना हो, तो गर्व से ही लिया जाता है। सोचिए, भला ऐसा भी हो सकता है कि अपने गांव-घर का नाम बताने में किसी को शर्म आए। और अगर ऐसा हो भी तो क्यों? उन्हें इसका नाम लेने छोड़िए देखने में भी शर्म आती है। वजह जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। कई बार माता-पिता बच्चों का नाम ऐसा रख देते हैं कि बड़े होकर उन्हें बताने में भी शर्म महसूस होती है। हालांकि यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले लोगों के साथ ऐसा ही हो रहा है। यहां के ग्रामीणों के लिए उनके गांव का नाम ही उनकी परेशानी का कारण बना हुआ है। अब आप भी सोचेंगे कि भला ऐसा भी क्या नाम होगा इस गांव का, जो सोशल मीडिया पर लिखने तक में लोगों को सेंसरशिप का डर सताने लगता है। डेली स्टार कि रिपोर्ट के मुताबिक इस गांव का नाम ऐसा ऐसा है कि साइन बोर्ड पढ़कर ड्राइवर्स चौंक जाते हैं। इसे पढ़ते हुए ड्राइवर का दिमाग भटक जाता है और कई बार एक्सीडेंट तक हो जाता है। यूनाइटेड किंगडम के कॉर्नवॉल में मौजूद इस गांव का नाम Cocks है। ये गांव हमेशा ही मज़ाक, चुटकुलों और तानों की वजह बना रहता। इधर से गुजरने वाले शरारती लोग तो गांव का साइन बोर्ड तक अपने गाड़ी के साथ उखाड़कर ले जाते हैं। कई बार तो बोर्ड देखकर लोग हंसी-मजाक करने लगते हैं। ये तो बात रही बाहरवालों की, खुद ग्रामीण भी गांव के नाम से दुखी ही रहते हैं। एक बार तो इन परिस्थितियों के चलते अधिकारियों ने इसका नाम Cocks से बदलकर Co& भी करने का सोच लिया था। हालांकि खुद गांववालों ने फिर इसे बदलने से इनकार कर दिया। उन्हें लगता है कि ये उनके पूर्वजों की निशानी है। हालांकि दिक्कत ये है कि जब वे किसी को पता बताते हैं तो अगला इंसान गांव का नाम सुनते ही हंस पड़ता है और मजाक करने लगता है। नाम छोड़ दें तो गांव में सब कुछ अच्छा है।

सांसद के गौमूत्र वाले बयान पर घमासान

भाजपा ने बताया सनातन का अपमान, कांग्रेस भी भड़की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेंथिलकुमार के बयान पर भाजपा हमलावर हो गई है। केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि यह सनातनी परंपरा का बहुत बड़ा निरादर है...सनातनी परंपरा और सनातनियों का इस तरहा का अपमान देश बर्दाश्त नहीं करेगा। चाहे छस्त्र हो या कोई भी, जो देश की आस्था के साथ खिलवाड़ करेगा उसे जनता मुंहतोड़ जवाब देगी।

दरअसल, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसद डीएनवी सेंथिल कुमार एस ने मंगलवार को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया। राज्य विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हालिया जीत का मजाक उड़ाते हुए, तमिलनाडु के नेता ने हिंदी हृदय राज्यों पर लक्षित अपमानजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भाजपा की ताकत मुख्य रूप से हिंदी भाषी राज्यों में चुनाव जीतने में है। आप दक्षिण भारत में नहीं आ सकते। सेंथिलकुमार की टिप्पणी जिसके कारण विवाद हुआ था, उसे संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि इस प्रकार की गंदी बातें करने वाले लोग, जो सनातन को गाली देते थे उन्हें अभी आधा तमाचा लगा है, थोड़े दिन बाद पूरा लगेगा... गौ, गंगा, गीता, गायत्री का अपमान देश नहीं सहेगा। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा, जो जिस तरह से सोचते हैं वे उसी तरह कहते हैं, इसका भारत की जीवन पद्धति में कितना महत्व है उसका उन्हें अंदाज़ा नहीं है...। भाजपा सांसद सुशील मोदी ने कहा कि इस प्रकार की भाषा का खामियाजा उन्हें तीन राज्यों के चुनाव में भुगतना पड़ा है... ऐसी हल्की टिप्पणी करना उचित नहीं है, ऐसे लोगों को लोकसभा(चुनाव) में जनता सबक सिखाएगी।

स्टालिन ने लगाई सेंथिल को फटकार

कांग्रेस के नेताओं ने सांसद से माफी मांगने के लिए कहा। वरिष्ठ द्रमुक नेता और आयोजन सचिव आर. एस. भारती ने कहा कि सांसद ने अपनी टिप्पणी को लेकर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने हिंदी भाषी राज्यों को गौमूत्र राज्य बताने वाली टिप्पणी पर पार्टी सांसद डी. एन. वी. सेंथिल कुमार को फटकार लगाई है। पार्टी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पार्टी ने कहा कि द्रमुक ने हमेशा सार्वजनिक टिप्पणी करते समय सम्मानजनक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया है। कांग्रेस के नेताओं ने सांसद से माफी मांगने के लिए कहा। वरिष्ठ द्रमुक नेता और आयोजन सचिव आर. एस. भारती ने कहा कि सांसद ने अपनी टिप्पणी को लेकर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी है। भारती ने पांच राज्यों के चुनावी नतीजों से संबंधित कुमार के संसद में दिए गए भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि सांसद ने एक ऐसे शब्द का इस्तेमाल किया था जिसका गलत अर्थ निकलता है।

कोई गलत बयान नहीं किसी को चुभा तो आगे नहीं बोलूंगा : सेंथिल कुमार

धर्मपुरी से लोकसभा सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार ने लोकसभा में कहा, इस देश के लोगों को यह सोचना

चाहिए कि इस भाजपा की ताकत मुख्य रूप से हिंदी के गढ़ राज्यों में चुनाव जीतना है, जिन्हें हम आम तौर पर गौमूत्र राज्य कहते हैं। विवाद बढ़ने के बाद भी उन्होंने माफी नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि मैंने सदन के अंदर कुछ बयान दिया। उस समय गृह मंत्री और भाजपा सदस्य वहां मौजूद थे। मैंने पहले भी अपने संसद भाषणों में इसका उपयोग किया है। यह कोई विवादास्पद बयान नहीं था। यदि यह किसी को छूता है तो मैं अगली बार इसका उपयोग करने से बचने का प्रयास करूंगा। मैं यह बताने के लिए कुछ अन्य शब्दों का प्रयोग करूंगा कि भाजपा कहां वोट पाने में मजबूत है।

संक्षिप्त खबरें

केंद्र में भाजपा की सरकार, घोटालों की जांच करवाएं : मुकेश अग्निहोत्री

ऊना। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर की ओर से छत्तीसगढ़ के महादेव घोटाले की आंच हिमाचल तक पहुंचने की बात पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार है। वह चाहें तो इसकी किसी भी एजेंसी से जांच करवाएं। कांग्रेस को कोई डर नहीं है। ऊना में पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि भाजपा नेता को इस बात का जरूर याद रखना चाहिए कि क्रिप्टोकरेंसी मामले के तार कहीं और न मिल जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास के एजेंडे पर काम कर रही है। मुकेश ने कहा कि हर गारंटी को पूरा किया जाएगा। प्रदेश सरकार नशा, अवैध खनन व संगठित अपराधों के खिलाफ अनेक निर्णायक एवं सार्थक कदम उठा रही है। इस कड़ी में हिमाचल प्रदेश सरकार ने पिछले 11 माह के दौरान नशा, अवैध खनन तथा संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश में नशा तस्करी से संबंधित 1600 मामले दर्ज कर 2200 लोगों को हिरासत में लिया गया है। 14 किलो चिट्टा जब्त किया गया है। हिमाचल प्रदेश व पंजाब के बीच नशा तस्करी, अवैध खनन व संगठित अपराध को रोकने के लिए साझे प्रयास करने की आवश्यकता है। इसके लिए दोनों प्रदेशों के अधिकारियों को लगातार संपर्क में रहना होगा और बैठकें करनी होंगी। खासकर सीमावर्ती जिला होने के कारण ऊना के पुलिस अधिकारियों को पंजाब के होशियापुर, रूपनगर जैसे जिलों के अधिकारियों से लगातार बैठकें करे रणनीति पर कार्य करना होगा।

'इंडिया' तानाशाही से चलने वाला गठबंधन नहीं: राउत

नई दिल्ली। सांसद संजय राउत ने कहा कि इंडिया एक गठबंधन है। यह तानाशाही से चलने वाला गठबंधन नहीं है। पहले अटल जी के जमाने में जब इंडिया यानी भारत हम चलाते थे, तो हर विषय पर चर्चा की जाती थी। अब किसी ने सवाल उठाया है तो चर्चा हो जाएगी। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 2024 के लोकसभा चुनाव में चुनौती देने के लिए बने विपक्षी गठबंधन इंडिया की अगली बैठक जल्द होने वाली है। जब से 26 विपक्षी दलों का भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) बना है तभी से भाजपा निशाना साध

रही है कि इस गठबंधन का पीएम चेहरा कौन होगा। इस पर उद्धव बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा कि पीएम के चेहरे पर चर्चा की जाएगी। वास्तव में एक चेहरा होना चाहिए। उद्धव ठाकरे के चेहरे पर राउत ने पर कहा कि उद्धव ठाकरे एक हिंदुत्ववादी और राष्ट्रवादी चेहरा हैं। लेकिन हम बैठक के बाहर ऐसी कोई बात नहीं कहेंगे, जिससे गठबंधन में कोई दरार पैदा हो। इंडिया गठबंधन के सदस्यों की मंजूरी मिल जिसे मिलेगी वही पीएम का चेहरा होगा।

लोकसभा चुनाव के लिए तैयार रहें : कमलनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में हुई हार की समीक्षा की। इसके लिए प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के हारे और जीते हुए प्रत्याशियों को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बुलाया गया था। यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की

उपस्थिति में मंथन किया गया। इसमें सभी प्रत्याशियों ने सिलसिलेवार अपनी बात को रखा। बैठक में कमलनाथ ने 15 दिन में सभी से विधानसभावार समीक्षा रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही लोकसभा की तैयारियों में जुटने के लिए कहा है।

कमलनाथ ने कहा कि वे दिल्ली से तीन दिन बाद लौटकर आएंगे और लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाएंगे। इधर, बैठक में नेता प्रतिपक्ष के नाम को लेकर भी कोई चर्चा नहीं हो पाई। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ दिल्ली के लिए रवाना हो गए। वे दिल्ली में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ मुलाकात कर मध्य प्रदेश में मिली हार की शुरुआती रिपोर्ट पेश करेंगे।

बैठक से सुरजेवाला नदारद दिग्विजय ने साधा मौन

मध्य प्रदेश चुनाव के लिए प्रभारी बनाए गए रणदीप सुरजेवाला समीक्षा बैठक से नदारद रहे। जबकि इससे पहले बताया जा रहा था कि वह भी इस बैठक में मौजूद रहेंगे और हारे हुए प्रत्याशियों से उनकी हर का कारण पूछेंगे। लेकिन सुरजेवाला इस बैठक में मोजूद नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही। वहीं, बैठक में दिग्विजय सिंह खामोश रहे। उन्होंने कोई विशेष प्रतिक्रिया नहीं दी।

आज और कल यूपी को प्रभावित करेगा मिगजौम

» विंध्य व आसपास के क्षेत्र में हो सकता है नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मंगलवार को मिगजौम चक्रवात आंध्र प्रदेश से टकरा आगे बढ़ गया अब उसका असा अभी दो दिन दिन उत्तर भारत में रहेगा। चक्रवाती तूफान मिगजौम मंगलवार की दोपहर में दक्षिणी आंध्रप्रेश के तट को पार कर गया। इसके उत्तर की ओर बढ़ने का असर बुधवार और बृहस्पतिवार को प्रदेश के विंध्य क्षेत्र व आसपास और दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करने के पूरे आसार हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम के मुताबिक, छह और सात दिसंबर हल्की से मध्यम बारिश प्रभावित इलाकों में हो सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बारिश, गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। सात दिसंबर के बाद मौसम शुष्क रहेगा। उधर आंध्र व तमिलनाडु मे भारी जानमाल का नुकसान हुआ। इसमें 13 से अधिक लोगों की मौत भी हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक, सात दिसंबर से 10 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन फिर 11 दिसंबर से एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम बदलेगा। मंगलवार को मौसम प्रदेश में सामान्य रहा। एक या दो स्थानों पर मध्यम व हल्का कोहरा छाया रहा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी कहीं-कहीं हल्का कोहरा रहा। अधिकतम तापमान वाराणसी में 30 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस बरेली में दर्ज किया गया।

तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में भारी नुकसान के बाद साइक्लोन हुआ कमजोर

साइक्लोन मिगजॉम की वजह से पैदा हुए हालातों के बाद चेन्नई में आज स्कूल और कॉलेजों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। साथ ही शहर में 80 प्रतिशत बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। आंध्र प्रदेश में कल भारी बारिश और चेन्नई में बाढ़ के बाद चक्रवात मिगजॉम कमजोर हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि बंगाल की खाड़ी से उठा भीषण चक्रवाती तूफान कमजोर होकर दबाव में बदल गया।

भारत के युवा हॉकी खिलाड़ियों का जीत से आगाज

जूनियर हॉकी विश्व कप: कोरिया को 4-2 से मात दी, अरिजीत की हैट्रिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मलेशिया के कुआलालंपुर में हुए भारत बनाम दक्षिण कोरिया मुकाबले में अरिजीत सिंह हुंदल की हैट्रिक की मदद से भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-2 से हरा दिया है। इसके साथ ही भारत ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्वकप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत कर ली है।

अरिजीत ने 11वें, 16वें और 41वें मिनट में गोल किये। भारत की तरफ से एक अन्य गोल अमनदीप ने 30वें मिनट में किया। दक्षिण कोरिया की तरफ से दोह्युन लिम (38वें) और मिंकवोन किम (45वें) ने गोल किये। भुवनेश्वर में 2021 में खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक के मैच में फ्रांस से हारने वाले भारत ने कोरिया पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा। अरिजीत ने पहले क्वार्टर में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारत ने इसके बाद भी दबदबा बनाए रखा।

अरिजीत और अमनदीप ने दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल किए, जिससे भारत मध्यांतर तक 3-0 से आगे था। दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में लिम के गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन भारत की तरफ से अरिजीत ने तुरंत ही चौथा गोल करके अपनी हैट्रिक भी पूरी की। भारत 4-1 की बढ़त हासिल करने के बाद थोड़ा ढीला पड़ गया जिसका फायदा उठाकर किम ने गोल दाग दिया। दक्षिण कोरिया हालांकि इससे हार का अंतर ही कम कर पाया। भारत पूल सी में अपना अगला मैच स्पेन के खिलाफ खेलेगा। इस ग्रुप की चौथी टीम कनाडा है। भारत ने इससे पहले 2001 और 2016 में खिताब जीता था जबकि 1997 में वह उपविजेता रहा था।

शोषितों और वंचितों की आवाज थे बाबा साहब : मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि पर बुधवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम मोदी ने और कहा कि वह न सिर्फ संविधान के शिल्पकार थे बल्कि शोषितों और वंचितों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले सामाजिक समरसता के अमर पुरोधा भी थे। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'पूज्य बाबा साहब भारतीय संविधान के शिल्पकार होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता के अमर पुरोधा थे, जिन्होंने शोषितों और वंचितों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

आज उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें मेरा सादर नमन, बता दें कि बाबासाहेब आंबेडकर का निधन छह दिसंबर 1956 को नई दिल्ली में हुआ था। पूज्य बाबासाहब भारतीय संविधान के शिल्पकार होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता के अमर पुरोधा थे, जिन्होंने शोषितों और वंचितों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। आज उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें मेरा सादर नमन।

मायावती ने बाबा साहब को दी श्रद्धांजलि, कहा-आजादी का सपना अधूरा

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि लगभग 140 करोड़ की विशाल आबादी वाले भारत के गरीबों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, अतिपिछड़ों सहित उपेक्षित बहुजनों के मसीहा व देश के मानवतावादी समतामूलक संविधान के निर्माता भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर को आज उनके परिनिर्वाण दिवस पर अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित। उन्होंने आगे कहा कि किन्तु देश के 81 करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पेट पालने के लिए सरकारी अन्न के मोहताज का जीवन बना देने जैसी दुर्दशा न यह आजादी का सपना था और न ही उनके लिए कल्याणकारी संविधान बनाते समय बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर ने सोचा था, यह स्थिति अति-दु:खद है। देश में रोटी-रोजी के अभाव एवं महंगाई की मार के कारण आमदनी अठन्नी भी नहीं पर खर्चा रुपया होने के कारण गरीब, मजदूर, छोटे व्यापारी, किसान, मध्यम वर्ग सहित सभी मेहनतकश समाज की हालत त्रस्त व चिन्तनीय है जबकि संविधान को सही से लागू करके उनकी हालत अब तक काफी संवर जानी चाहिए थी।

डॉ. अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलें युवा : चंद्रचूड़

नई दिल्ली। डॉ.भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के मौके पर भारत के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आज भारत के हर युवा को बाबा साहब के सिद्धांतों को अपने जीवन में लागू करना चाहिए, आज का जो दिन है वो पूरे देशवासियों के लिए स्वर्ण अक्षर में लिखा गया है, आज हम डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन के बारे में स्मरण करते हैं। सीजेआई ने कहा कि बाबा साहब संविधान के शिल्पकार थे। जो उन्होंने मूलभूत सिद्धांत 75 साल पहले अंकित किए उनका हम पालन कर रहे हैं, आज का दिन हम लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, इस साल उनकी प्रतिमा सुप्रीम कोर्ट में लगाया गया है तो हमे लगता है कि वो साक्षात हमारे साथ हैं। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने आगे कहा कि मैं आज के मौके पर सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि देश के युवाओं को बाबा साहब अंबेडकर के सिद्धांतों को अपने जीवन में लागू करना चाहिए. और हम अपनी दिनचर्या में इन सिद्धांतों को अपना सकते हैं, ये नहीं कि सिर्फ न्यायपालिका ही इसे लागू करे।

डॉ. आंबेडकर पर शोध करने वाले छात्रों को दी जाएगी छात्रवृत्ति : सीएम योगी

डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके अस्थिकलश स्थल का जायजा लिया और उनकी प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने एलान किया निर्माणाधीन आंबेडकर स्मारक में शोध करने वाले छात्रों को प्रदेश सरकार की तरफ से छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश वासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। बाबा साहब ने कहा था कि हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं। जो लोग भारत को कोसते हैं वह बाबा साहब का भी अपमान करते हैं। दुनिया में जब भी दबे-कुचले समाज के उत्थान की बात आती है तो बाबा साहब का नाम याद आता है। हमने समाज को जाति के आधार पर नहीं बांटा बल्कि गरीब, दलित, कमजोर वर्ग के विकास पर ध्यान दिया। हर गरीब और वंचित को प्रधानमंत्री आवास और शौचालय की सुविधा का लाभ मिलना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

हावड़ा जंक्शन के पास लोकल ट्रेन का डिब्बा पटरी से उतरा

कोलकाता। रेलवे के अधिकारी ने बताया कि बगनान-हावड़ा लोकल का पांचवां डिब्बा सुबह नौ बजकर 35 मिनट पर टिकियापारा और हावड़ा स्टेशन के बीच पटरी से उतर गया, जब ट्रेन पटरी बदल रही थी। इस घटना से यात्रियों में दहशत फैल गई। पश्चिम बंगाल में हावड़ा स्टेशन के पास बुधवार सुबह एक लोकल ट्रेन का एक डिब्बा पटरी से उतर गया, जिससे ट्रेन सेवाएं आंशिक रूप से बाधित हुईं। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। रेलवे के अधिकारी ने बताया कि बगनान-हावड़ा लोकल का पांचवां डिब्बा सुबह नौ बजकर 35 मिनट पर टिकियापारा और हावड़ा स्टेशन के बीच पटरी से उतर गया, जब ट्रेन पटरी बदल रही थी। इस घटना से यात्रियों में दहशत फैल गई। उन्होंने कहा कि घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ क्योंकि हावड़ा जाने वाली ट्रेन धीरे-धीरे प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ रही थी। रेलवे अधिकारी और इंजीनियर पटरियों की मरम्मत और ट्रेन सेवाएं बहाल करने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेन के पटरी से उतरने के कारण का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

राजस्थान में जगह-जगह आगजनी राजपूत समुदाय में आक्रोश, बाजार बंद

जयपुर। राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की मौत के बाद मंगलवार को जयपुर में हड़कंप मच गया। शहर में भारी तादाद में पुलिस बल तैनात किए गए। बुधवार को कमोवेश यही स्थिति बनी हुई है। सुखदेव सिंह गोगामड़ी के आवास पर उनसे मिलने के बहाने पहुंचे तीन बदमाशों ने उनपर 15 से ज्यादा गोलियां चलाईं। उनके निधन पर राजपूत समुदाय में जबरदस्त आक्रोश पैदा हो चुका है। घटना के विरोध में राजपूत समाज ने आज राजस्थान बंद का आह्वान किया है। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष की हत्या की न्यायिक जांच की मांग को लेकर बंद का आह्वान किया गया है। मंगलवार को जयपुर के कई इलाकों में राजपूत समुदाय के लोगों ने आक्रोश जाहिर किया है। मेट्रो मास अस्पताल के बाहर लोगों ने मंगलवार को प्रदर्शन किए। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को इसी अस्पताल में लाया गया था। जयपुर में करणी सेना के अध्यक्ष सूरज पाल अमू ने कहा, भाई सुखदेव सिंह गोगामेड़ी का शव यहां अस्पताल में पड़ा है। हम प्रशासन से दोषियों को पकड़ने की मांग कर रहे हैं। जब तक हमें न्याय नहीं मिलता, हम शव नहीं लेंगे। उन्होंने आगे कहा सुरक्षा के लिए गोगामेड़ी का अनुरोध स्वीकार नहीं किया गया। हमारा प्रदर्शन नहीं रुकेगा। इसके लिए अशोक गहलोत और उनके अधिकारी जिम्मेदार हैं। घटना एक पुलिस स्टेशन के 500 मीटर के भीतर हुई।

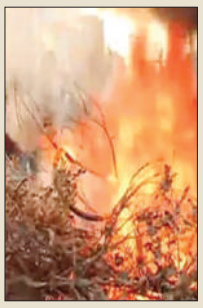

कुकरैल किनारे बसी आबादी पर चला बुलडोजर

सौंदर्यीकरण के आड़े आ रहे थे मकान, भारी पुलिस फोर्स तैनात, नगर निगम ने की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कुकरैल के सौंदर्यीकरण के आड़े आ रहे मकानों को आज ध्वस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इस अवसर पर भारी मात्रा में नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी व पुलिस बल मौजूद है। ज्ञात हो कि राज्य सरकार कुकरैल नदी के किनारे रिवर फ्रंट विकसित कर रही है। बुधवार को भीकमपुर के चिन्हित 50 से ज्यादा मकानों को ध्वस्त किया गया।

नगर निगम की टीम ने सुबह से ही कार्रवाई शुरु की थी। जैसो निगर पहुंचा लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया। विरोध को देखते हुए भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। इस समय कुकरैल नदी के सौंदर्यीकरण काम जोरों पर जारी है। गौरतलब हो कि गुजरात की छोटी नदियों की तर्ज कुकरैल नदी को विकसित किया जा रहा है।

केंद्र को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई लताड़

» मीडियाकर्मियों के डिजिटल उपकरण जब्त करने के मामले में देरी पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कानूनी एजेंसियों द्वारा मीडियाकर्मियों के डिजिटल उपकरण जब्त करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की ओर से देरी पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि मामले में नोटिस दो साल पहले दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को एक हफ्ते का समय और दिया व कहा-उम्मीद पर दुनिया कायम है, केंद्र ने कहा कि कमेटी गठित की गई है, अगले सप्ताह तक कुछ सकारात्मक होगा।

जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच मे केंद्र सरकार की ओर से एएसजी एसवी राजू ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर एक कमेटी गठित कर दी गई है। इसमें कुछ और समय लग सकता है। एक हफ्ते का और समय दिया जाए। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया कि जांच एजेंसियों द्वारा पत्रकारों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जब्ती को विनियमित करने के लिए दिशानिर्देश जल्द ही तैयार किए जाएंगे। जस्टिस संजय किशन कौल ने एएसजी से पूछा कि दो साल हो गए नोटिस जारी किए हुए, कुछ तो समय की सीमा होनी चाहिए, हालांकि मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओ की तरफ से सुझाव देते हुए कहा गया कि जांच एजेंसी को उपकरणों को जप्त करने के बजाय उनके डाटा के रिकॉर्ड के दस्तावेज अपने पास रखने के जैसे कुछ दिशा-निर्देश अंतरिम तौर पर दिए जाने की आवश्यकता है, इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक हफ्ते का समय देते हुए मामले की सुनवाई को 14 दिसंबर के लिए तय कर दी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।